



अधिकतम : 31°C
न्यूनतम : 22°C

आबरे छुपाता नहीं, छापवा है

C M Y K

शह टाइम्स

मुमदाबाद, शुक्रवार 8 अगस्त 2025 मुमदाबाद संस्करण: वर्ष 22 अंक 359 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00



विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें।
मुफ्त पढ़ E-paper

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

कुदरत की चेतावनी

उत्तराखण्ड के उत्तरकाशी जिले में आई आपदा हिमालय में अधिकारी के स्थाई खटरे की याद दिलाती है। मूसलाधार बारिश के कारण खीर गंगा नदी में पानी, मलबा और कीचड़ का एक बड़ा ढेर आने से कम से कम चार लोगों की मौत हो गईं और कम से कम 60 लोगों के बह जाने की आशंका है। बाढ़ ने समुद्र तल से 8,600 फीट ऊपर बर्से धराली कस्ब के होटलों और रिहायशी इमारतों को अपनी चपेट में ले लिया। घटानीय निवासियों द्वारा रिकॉर्ड किए गए बीचों फुटेज में पानी की विश्वासनीय उड़ाके से गुरुती हुई दिखाई द रही हैं, जो लोगों और घरों को अपनी चपेट में ले रही हैं। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, कई भारतीय सेन्यकर्मियों के भी मारे जाने की आशंका है।

इस आपदा का अनुमानित कारण 3 से 5 अगस्त तक हुई अत्यधिक भारी वर्षा है, जिसमें उत्तर भारत में मानसून और उसके संक्रिय चरण के कारण जिले के कुछ हिस्सों में एक ही दिन में लगभग 30 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। शहर में आए पानी के प्रकोप और मात्रा से ऐसा लग रहा था कि यह एक अचानक हुई घटना थी, जिसके कारण राज्य के अधिकारियों ने इसे बादल फटने की बारी में डाल दिया। हालांकि, आधिकारिक पूर्वानुमानकर्ता, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग आईएमडी इसे जिस तरह परिभासित करता है, उसमें इसका एक बहुत ही विशिष्ट अर्थ है। 10 वर्ष किलोमीटर क्षेत्र में एक घटे में कम से कम 10 सेंटीमीटर की भारी बारिश आमतौर पर बादल फटने की श्रृंगी में आती है। इन उच्चावधियों पर मौसम रडार की कमी का मतलब है कि आईएमडी ऐसी गणना करने में असमर्थ है। इसलिए, यह बहुत संभव है कि पिछले 48 घंटों से लगातार ही रही भारी बारिश ने मिट्टी की ढीलों के दिया हो और उच्चावधि-खाड़, उच्चावधि-खाड़ इलाके के साथ मिलकर, भारी मात्रा में पानी के साथ बड़ी मात्रा में गांद बहा ही हो। यह एक आक्रियिक घटना थी या धीरे-धीरे बढ़ती घटनाओं का परिणाम, यह केवल अकादमिक रूचि का विषय लग सकता है, क्योंकि इससे जान, आजीविका और संपत्ति का नुकसान हुआ है। इसे बादल फटने के रूप में पेश किया जाता है, तो यह घटना केवल प्रार्थनाओं और मार्गरी खुटका को असाधारण और अधिकारियों की अप्रोक्ष भूमियों पर सहानुभूति और पूर्व-निर्धारित सांकेतिक राशि के विवरण के रूप में ही सामने आती है। हाल के अंतीम से पता चलता है कि यह कुछ भी असाधारण नहीं है। जलवायु परिवर्तन ने अत्यधिक वर्षा की घटनाओं की संभावना को बढ़ा दिया है और इसलिए, पहाड़ों में शुरू की गई कई इनियारी ढाँचा परियोजनाएं और परियानामस्वरूप मलबा ऐसी वर्षा से उत्पन्न होने वाले गुरु विस्फोटकों की तरह काम करते हैं। गांह तक आगे बढ़ती वर्षा के बाद, राज्य सरकार को-जैसे ही परिस्थितियां अनुकूल हों-जलवायु परिवर्तन से अपरिहार्य क्षति को कम करने के लिए राज्य में महत्वपूर्ण बिंदुओं पर मलबा और गांद के संचय की समीक्षा करनी चाहिए।

डोनाल्ड ट्रम्प का विश्वासघाती कदम

ब्राजील की तरह ही भारत पर भी कुल मिलाकर 50 प्रतिशत का भारी भरकम टैरिक लगाकर अमेरिका ने भारत को जो आयात पहुंचाने का प्रयास किया है, उसे भारत सरकार ने अपने संवयित व्यापार में अनुचित, अन्यायपूर्व व अविवेकी बताया है, किन्तु देश की जनता डोनाल्ड ट्रम्प का मित्र देश भारत के प्रति इसे प्रथम दृष्ट्या का मित्र देश भारत के एवं देश के कमजोर करने के लिए राज्य में चुनौती पर गंभीर चिन्तन के लिए संवयित विवाय पर वर्तमान संसद सत्र में चांचे हो, तो यह जन व देशहित में बहरत होगा, किन्तु केन्द्र व राज्य सरकारें अगर आत्मरक्ष संकीर्ण मुद्दों में ही अधिकतर उलझी रहेंगी, तो यह कैसे संभव हो पाएगा।

-सुश्री मायावरी, अध्यक्ष, बसपा

अंतरिक्ष में अब लंबी छलांग की तैयारी में है भारत

वि श्व मंगल की कामना से भारत के ऋषियों ने ऊंचौ शांति अंतरिक्ष शांति का उद्घोष किया ब्रायोक विश्व के हर मानव की आकांक्षा है- शांति शांति की खोज में मानव पहाड़ों, जंगलों आदि का अभ्यन्तर आत्मिक आश्चर्य, संसारादि में करता है और उनकी खोज धन व संसारादि में करता है ब्रायोक मानव जीवन का आनन्द, ज्योति जहां शांति है वहां सुनिधि है, जहां सुनिधि है वहां सम्पन्नता है, जहां सम्पन्नता है वहां विकास की अपरिमित सम्भवानाएं हैं।

इसके विपरीत जहां अशांति है वहां कमती है, जहां कमती है वहां कलह और विपन्नता है और जहां कलह और विपन्नता है वहां विकास की संभवानाएं नापूर्ण हैं। यह सिद्धांश व्यक्ति, परिवार, समाज, देश और विश्व सभी समान रूप से लगा होता है। शांति हेतु शर्यत जगती है? अंतरिक्ष क्या है? अंतरिक्ष में व्यापक आकाशीय पिंड किससे बनते हैं? उनकी प्रृथक, संरचना, वातावरण कैसा है? उस पर जीवन और मानव-जीवन की संभावनाएं क्या हैं? आदि अनेक प्रश्न मानव-मन को उद्विलित कर, जनन की उत्पुक्ता पैदा करते हैं।

इसके हिस्से विश्व की अवधारणा की शुरुआत की है और भारत अंतरिक्ष मिशन की शुरुआत की तैयारी में जुटा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने अपनी लगानी मेहनत और तकनीकी क्षमताओं के बल पर अंतरिक्ष में



अपनी स्थिति को मजबूत बनाने के लिए कई महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित कर योजनाएं बनाई हैं। महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने की महत्वाकांक्षी योजना भी है। इसका मुख्य उद्देश्य अंतरिक्ष में ज्यानिक प्रयोग, पृथ्वी की नियन्त्रणी और गहरा अंतरिक्ष अनुसंधान को बढ़ावा देना है। जिसके आकाशीय अंतरिक्ष में स्वायत्ता और आत्मनिर्भरता बढ़ावीं और अंतरिक्षीय अंतरिक्ष में व्यापक शास्त्रीय प्रयोग है।

गणनायाम भारत का पहला मानव युक्त अंतरिक्ष मिशन है। इसके आकाशीय अंतरिक्ष में व्यापक आकाशीय पिंड किससे बनते हैं? उनकी प्रृथक, संरचना, वातावरण कैसा है? उस पर जीवन और मानव-जीवन की संभावनाएं क्या हैं? आदि अनेक प्रश्न मानव-मन को उद्विलित कर, जनन की उत्पुक्ता पैदा करते हैं।

इसके हिस्से विश्व की अवधारणा की शुरुआत की है और भारत अंतरिक्ष मिशन की शुरुआत की तैयारी में जुटा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने अपनी लगानी मेहनत और तकनीकी क्षमताओं के बल पर अंतरिक्ष में

भारत में कानून की समानता का सिद्धांत संविधान का एक आधारभूत तत्व है। संविधान का अनुच्छेद 14 स्पष्ट रूप से कहता है कि कानून के समक्ष सभी समान हैं, लेकिन जब हम समाज के प्रभावशाली और ताकतवार लोगों के व्यवहार को देखते हैं, तो यह सिद्धांत कई बार मजाक बनार रह जाता है। डोरा सच्चा सौदा के साथ बलात्कार के मामले में 20 साल की सजा सुनाई गई थी। बाद में पत्रकार रामचंद्र छत्रपति और डोरा के पूर्व प्रबंधक रंजीत सिंह की हत्या के लिए आजीवन कारावास की सजा मिली थी। पिछले कछु वर्ष में यह बार-बार जेल से बाहर निकले हैं। 2020 से 2025 तक, उन्हें कम से कम 14 वर्ष एक बार-बार जेल के बाहर जाना गया है। हाल ही में, अगस्त 2025 में, उन्हें 40 दिन की पैरोल दी गई, जो उनकी सजा के साथ साल के भीतर उनकी तोसीरी रिहाई थी। यह पैरोल ने केवल कानूनी प्रक्रिया पर सवाल उठाता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि कैसे प्रभावशाली लोग अपने रसूलों का इस्तेमाल कर कानून को अपने पक्ष में मार्ड लेते हैं।

युरोपीय राम रहीम, जिन्हें 2017 में दो सालियों के साथ बलात्कार के मामले में 20 साल की सजा सुनाई गई थी, बाद में पत्रकार रामचंद्र छत्रपति और डोरा के पूर्व प्रबंधक रंजीत सिंह की हत्या के लिए आजीवन कारावास की सजा मिली थी। पिछले कछु वर्ष में यह बार-बार जेल से बाहर निकले हैं। 2020 से 2025 तक, उन्हें कम से कम 14 वर्ष एक बार-बार जेल के बाहर जाना गया है। 2020 में यह पैरोल दी गई है, जिसमें कुल मिलाकर 326 दिन जेल के बाहर जाना गया है। हाल ही में, अगस्त 2025 में, उन्हें 40 दिन की पैरोल दी गई है, जो उनकी सजा के साथ साल के भीतर उनकी तोसीरी रिहाई थी। यह पैरोल ने केवल कानूनी प्रक्रिया पर सवाल उठाता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि कैसे प्रभावशाली लोग अपने रसूलों का इस्तेमाल कर कानून को अपने पक्ष में मार्ड लेते हैं।

पैट्रोल और फटलो: कानून है या विशेषाधिकार



बल दिया है। यह सवाल उठता है कि क्या यह रिहाईयां कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा हैं या राजनी.

तिक्कापति के लिए सुनियोजित कदम?

हरियाणा के लिए याद दिया है कि राम रहीम को दी गई रिहाईयां कानून के दायरे में हैं और अन्य कैदियों को भी कैदी दी गई है। लेकिन जब इनका दुरुपयोग विश्वास्त लोगों को लाभ के लिए पैरोल और फरलों के उपयोग के सुनावने के लिए आवश्यक है, तो यह पूरी प्रणाली की विश्वसनीयता को कमज़ोर करता है।

राम रहीम की रिहाईयां का प्रभाव केवल कानूनी नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक भी है। उनको सजा के बाद 2017 में हरियाणा और पंजाब की आवाजानी के लिए 5,832 कैदियों में से केवल 2,801 को ही अस्थाई रिहाई मिली थी। यह सवाल उठता है कि क्या यह सभी कैदियों को इतनी बार और इतने लंबे समय के लिए रिहाई दी जाती है, जिनमें याचिका को बार-बार रिहाई दी जाती है?

राम रहीम की रिहाईयां का प्रभाव केवल कानूनी नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक भी है। उनको सजा के बाद 2017 में 5,832 कैदियों

